जान से खिलवाड़

हादसे के डर से ग्रामीणों ने उठाया कदम, बनाई झोपड़ी फिर भी नहीं जागे जिम्मेदार, क्या कर रहे किसी बड़े हादसे का इंतजार

जर्जर स्कूल छोड़ झोपड़ी में पढ़ने को मजबूर मासूम

मवई, नवभारत। एक ओर जहां सरकार हर बच्चे को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित स्कूल भवन उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर जिले के मवई विकासखंड से सामने आई एक तस्वीर इन सभी सरकारी दावों की पोल खोल रही है। मामला मवई ब्लाक के ग्राम कोवडिया स्थित यूजीएस प्राथमिक शाला कोवडिया का है, जहां स्कूल भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुका है और छत कभी भी भरभराकर गिर सकती है। अधिकारियों की अनदेखी के चलते अब मासूम बच्चे पक्के स्कूल भवन की बजाय घास-फूस की झोपड़ी में बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं।

जानकारी अनुसार जर्जर भवन के चलते हर पल मंडराते खतरे को देखते हुए ग्रामीणों और अभिभावकों ने बच्चों की सुरक्षा के लिए अपने स्तर पर पहल की। उन्होंने स्कूल परिसर में ही एक घास-फूस की झोपड़ी तैयार की, जिसमें अब नियमित कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। शिक्षकों और ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने जर्जर भवन की स्थिति को लेकर मवई बीईओ कार्यालय सहित संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार लिखित व मौखिक सूचना दी, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके कारण ग्राम के लोग स्वयं पहल करते हुए स्कूली बच्चों की जान जोखिम में देखते हुए एक झोपड़ी तैयार कर दी।

कब जागेगा जिम्मेदार अमला

यह तस्वीर सिर्फ एक स्कूल की नहीं, बल्कि उन तमाम सरकारी दावों की सच्चाई है जो कागजों में तो चमकते हैं लेकिन धरातल पर दम तोड़ते नजर आते हैं। जिस उम्र में बच्चों को सुरक्षित और आधुनिक माहौल में पढ़ाई करनी चाहिए, उस उम्र में वे झोपड़ी में बैठकर भविष्य गढ़ने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बेखबर और गहरी नींद में सोया प्रशासन अपनी नींद से कब जागेगा।

करोड़ों के बजट के बीच कब मिलेगा सुरक्षित भवन

ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल भवन के ठीक सामने बनी यह झोपड़ी शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। बताया गया कि जब शिक्षा व्यवस्था के नाम पर प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये खर्च किए जाने का दावा किया जाता है, तब आदिवासी अंचल के इन बच्चों को एक सुरक्षित पक्की छत के लिए तरसना पड़ रहा है। जर्जर भवन किसी भी समय बड़े हादसे को न्योता दे सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि अब जिम्मेदार अधिकारी किसी अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं।

अज्ञात बाइक की टक्कर से हेड मैकेनिक की मौत

खेत से लौटते समय मंगलगंज के पास हुआ हादसा, टिकरिया पुलिस ने किया मामला दर्ज

नारायणगंज। नारायणगंज मंडला नेशनल हाईवे-30 पर रविवार दोपहर हुए एक भीषण सड़क हादसे में पीएचई विभाग में पदस्थ हेड मैकेनिक की असमय मौत हो गई। घटना टिकरिया थाना अंतर्गत ग्राम मंगलगंज के समीप की है, जहाँ तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से यह दर्दनाक हादसा हुआ।

जानकारी अनुसार मंगलगंज निवासी बजरंग सिंह वरकड़े 58 वर्ष जो वर्तमान में जनपद पंचायत नारायणगंज क्षेत्र में पीएचई विभाग के हेड मैकेनिक के पद पर पदस्थ थे, रविवार दोपहर अपने खेत से वापस मोटरसाईकिल से घर जाने के लिए लौट रहे थे। इसी दौरान मंडला की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार बाईक के साथ आमने सामने जोरदार भिंड़त हो गई। हादसे में मंगलगंज निवासी बजरंग सिंह की मौत हो गई वहीं दूसरा बाइक सवार भी घायल हुआ है। घटना स्थल के आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस ओर एम्बुलेंस को सूचना दी। जिसके बाद गंभीर घायल बजरंग सिंह को मंडला जिला चिकित्सालय ले जाया गया।

डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

बताया गया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बजरंग सिंह बरकड़े सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों व स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल 108 एम्बुलेंस के जरिए जिला अस्पताल मंडला पहुंचाया गया, जहाँ प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस जांच में जुटी

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के शव को मंडला जिला अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है, जिसका आज सोमवार सुबह पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा जाएगा। टिकरिया थाना पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर घटना के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

सड़क पर गिट्टी से लोड खड़े डंपर से टकराई बाइक

पिता, बेटी गंभीर रूप से घायल, जबलपुर रेफर, खैराजी में देर शाम हुआ हादसा

नैनपुर। सड़कों पर बिना किसी संकेतक के खड़े खराब वाहन और गड्ढे अब राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। ऐसा ही एक दर्दनाक हादसा सिवनी जिले के केवलारी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत खैराजी में सामने आया, जहाँ सड़क किनारे खड़े गिट्टी से भरे एक बिगड़े डंपर से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल टकरा गई। हादसे में दोपहिया वाहन पर सवार पिता और उनकी मासूम पुत्री गंभीर रूप से चोटिल हो गए।

जानकारी अनुसार नैनपुर के वार्ड नंबर 10 शांति नगर निवासी गौरी साहू 45 वर्ष, उनकी पत्नी संतोषी साहू 32 वर्ष और 17 वर्षीय

पुत्री रेखा साहू देर शाम बाइक से जा रहे थे। अंधेरा होने और सड़क पर कोई संकेतक न लगे होने के कारण बाइक सवार खड़े डंपर को देख नहीं पाए और अनियंत्रित होकर उससे टकरा गए। भिड़ंत इतनी तेज थी कि हेलमेट पहनने के बावजूद पिता और पुत्री को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय मददगारों की सहायता से घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल नैनपुर लाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार के बाद पिता गौरी साहू और पुत्री रेखा साहू की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर कर दिया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मुख्य रास्तों पर बिना किसी रेडियम या संकेतक के खड़े कर दिए जाने वाले खराब वाहन और गड्ढे लगातार हादसों को न्योता दे रहे हैं, जिन पर प्रशासन को सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है।

सड़क हादसे ने खोला वन्यप्राणी अंग तस्करी का राज

ऑटो से टक्कर के बाद सड़क पर गिरे सींग, राहगीरों ने पकड़कर आरोपी को पुलिस के हवाले किया

मंडला। जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवदरा स्थित राजीव कॉलोनी चूना भट्टा, देव मार्ट के पास एक सड़क दुर्घटना के बाद वन्यप्राणी बारहसिंगा के सींगों की तस्करी का एक संदिग्ध मामला सामने आया है। जानकारी अनुसार एक युवक अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर राजीव कॉलोनी से गुजर रहा था। इसी दौरान देव मार्ट के सामने उसकी बाइक सड़क पर जा रहे एक मालवाहक ऑटो से टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक पर रखे बारहसिंगा के सींग छिटककर सड़क पर जा गिरे। सड़क पर पड़े असली सींगों को देखकर राहगीर दंग रह गए और मौके पर देखते ही देखते लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। भीड़ एकत्र होने से क्षेत्र का यातायात बाधित होने लगा।

घटनास्थल पर मौजूद राहगीरों ने बिना देरी किए आरोपी युवक को तुरंत दबोच लिया और कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने सबसे पहले एकत्र भीड़ को हटाया और यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया। इसके बाद पुलिस ने हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ शुरू की। हालांकि, शुरुआती पूछताछ में आरोपी पुलिस को कोई संतोषजनक या स्पष्ट उत्तर नहीं दे सका।

वन विभाग को सौंपा गया मामला-मामला दुर्लभ वन्यप्राणी के अंगों के अवैध परिवहन से जुड़ा होने के कारण कोतवाली पुलिस ने तत्काल वन परिक्षेत्र मंडला को सूचित किया। वन विभाग के अधिकारियों के मौके पर पहुँचने के बाद आरोपी ने दावा किया कि ये सींग उसके नहीं हैं और वह इन्हें कटरा क्षेत्र से किसी परिचित व्यक्ति के लिए ला रहा था। आरोपी के बयान संदिग्ध लगने पर वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बारहसिंगा के सींगों को अपने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया।

संयुक्त टीम कर रही गहन जांच-फिलहाल आरोपी युवक और उसकी मोटरसाइकिल को कोतवाली पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया है। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम मामले की गहनता से विवेचना कर रही है। अधिकारी इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि बारहसिंगा के ये सींग कहाँ से लाए गए थे, किस शिकार की घटना से जुड़े हैं और इन्हें किसे बेचने या पहुँचाने की योजना थी।

15 को मंडला आएंगे श्याम टेलर

तैयारियों को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

मंडला। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का 15 जुलाई को प्रथम मंडला नगर आगमन हो रहा है जिसकी तैयारियों को लेकर युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय में बैठक आयोजित की। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष योगेंद्र ठाकुर ने आगामी कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का आगमन युवा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी अवसर है। कार्यक्रम को अनुशासित एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करे। उन्होंने विशेष रूप से जिला कार्यालय में आयोजित होने वाले युवा संवाद कार्यक्रम को सफल बनाने पर जोर दिया।

बच्चों के मुद्दों पर सक्रियता से काम करने की आवश्यकता : खोब्रागड़े

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं आवाज संस्था का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

मंडला। बाल अधिकारों की सुरक्षा और बच्चों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर त्वरित सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला एवं संस्था आवाज के संयुक्त तत्वावधान में पैरा लीगल वालंटियर्स का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी विजय खोब्रागड़े ने कहा कि बच्चों के मुद्दे, विशेषकर लैंगिक शोषण से जुड़े मामले अत्यंत संवेदनशील होते हैं। ऐसे में पीएलवी पीड़ित बच्चों और विधिक व्यवस्था के बीच एक मजबूत सेतु की तरह कार्य कर सकते हैं, जिससे बच्चों को विधिक, मानसिक व सामाजिक सहायता मिल सके।

देश में 53 फीसदी बच्चे लैंगिक शोषण का शिकार-प्रशिक्षण के मुख्य संदर्भ व्यक्ति एवं आवाज संस्था भोपाल के निदेशक प्रशांत दुबे ने बताया कि देश में लगभग 53 प्रतिशत बच्चों ने किसी न किसी रूप में लैंगिक शोषण का सामना करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में बाल विवाह, गायब होते बच्चों और बच्चों से जुड़े अपराधों की स्थिति चिंताजनक है।

24 घंटे सेवा के लिए प्रतिबद्ध है बाल कल्याण समिति-कार्यक्रम के दौरान बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ. गजेंद्र गुप्ता ने जिले में उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी और बताया कि प्रथम श्रेणी न्यायाधीश की शक्तियों वाली पीठ 24 घंटे बच्चों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। संस्था के जिला समन्वयक सत्यनारायण डेहरिया ने स्थानीय कुरीतियों और बाल अधिकारों के मार्ग में आने वाली बाधाओं पर प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंडला जिले के लगभग 26 पीएलवी और 10 सपोर्ट पर्सन ने भाग लिया। कार्यक्रम में बिछिया संकुल से अभिलाषा यादव, आकाश झारिया और भोपाल से आई पवनरेखा बिसेन ने भी अपने फील्ड अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सत्यनारायण डेहरिया द्वारा किया गया।

31 तक कराएं खरीफ फसलों का बीमा

मंडला। खरीफ मौसम 2026-27 में किसानों की फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। कृषि विभाग ने जिले के सभी किसानों से समय-सीमा के भीतर अपनी फसलों का बीमा कराने की अपील की है, ताकि किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके। कृषि विभाग के अनुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है।

बैगा टोला बरवानी के ग्रामीण परेशान

6 माह से अधूरा प्रधानमंत्री सड़क निर्माण

मंडला। विकासखंड घुघरी के ग्राम बैगा टोला बरवानी में जन मन योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री सड़क का निर्माण कार्य पिछले लगभग छह माह से जारी है, लेकिन अब तक पूरा नहीं हो सका है। अधूरे निर्माण और बदहाल सड़क के कारण ग्रामीणों, स्कूली बच्चों तथा राहगीरों को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की स्थिति अत्यंत खराब हो गई है। बरसात के मौसम में कीचड़ और गड्ढों के कारण आवागमन जोखिम भरा हो गया है। सबसे अधिक परेशानी बैगा जनजाति के बच्चों और ग्रामीणों को हो रही है, जिन्हें रोजाना इसी मार्ग से स्कूल और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आना-जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग एवं प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

प्रदेश के लिए प्रेरणादायी मॉडल बनेगा प्रोजेक्ट संकल्प : कुलस्ते

प्रतिभा को मिलेगा मार्गदर्शन, जिले में प्रोजेक्ट संकल्प लॉन्च

मंडला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की विशेष पहल पर जिले के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की गुणवत्तापूर्ण एवं नि:शुल्क तैयारी कराने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट संकल्प का शुभारंभ किया गया। कलेक्ट्रेट के जिला योजना भवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके एवं सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इसके पश्चात सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रोजेक्ट संकल्प को लॉन्च किया गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री ने कहा कि प्रोजेक्ट संकल्प अत्यंत सराहनीय और दूरदर्शी पहल है। इससे जिले के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इस योजना की जानकारी अपने परिवार और आसपास के अन्य बच्चों तक भी पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि यह पहल मंडला के विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने वाली है। गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और आधुनिक संसाधनों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। यह नवाचार निश्चित रूप से जिले के शिक्षा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

क्या है प्रोजेक्ट संकल्प-प्रोजेक्ट संकल्प पर जानकारी देते हुए कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने बताया कि यह प्रोजेक्ट जिले की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की गुणवत्तापूर्ण तैयारी का समान अवसर उपलब्ध कराना है। इसके लिए प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था फिजिक्स वाला के साथ समन्वय किया गया है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नि:शुल्क कोचिंग- इस प्रोजेक्ट के तहत विद्यार्थियों को जेईई, नीट, सीयूईटी एवं क्लेट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, साप्ताहिक टेस्ट, मॉक टेस्ट, ओएमआर आधारित परीक्षा, मेंटरशिप, फॉर्म भरने में मार्गदर्शन तथा करियर विशेषज्ञों एवं चिकित्सकों, इंजीनियरों के गेस्ट लेक्चर की सुविधा मिलेगी। प्रोजेक्ट संकल्प के तहत न सिर्फ जिले के सभी शासकीय विद्यालयों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग दी जायेगी बल्कि कौशल विकास आधारित शैक्षणिक व्यवस्था विकसित करना भी इसका उद्देश्य है। प्रोजेक्ट के अंतर्गत शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु एमसीक्यू आधारित मासिक परीक्षाएं, ग्रेडिंग के माध्यम से मॉनिटरिंग, टॉपर क्लब, रिमेडियल कक्षाएं, मॉडल उत्तर, अभिभावक-शिक्षक बैठक तथा प्रत्येक माह उत्कृष्ट विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्राचार्यों के सम्मान जैसे प्रेरक माध्यम अपनाए जायेंगे।

बैठक

संभावित अतिवर्षा को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

अतिवर्षा से निपटने प्रशासन पूरी तरह से रहे अलर्ट : उइके

मंडला। अतिवर्षा की संभावित परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने बैठक लेकर विभिन्न विभागों की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्ट्रेट स्थित गोलमेज कक्ष में आयोजित इस बैठक में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने जिले में की गई तैयारियों से मंत्री को अवगत कराया। बैठक में एसएलआर श्री हीरालाल तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी संबंधित विभागों को उनके दायित्व स्पष्ट

कर दिए गए हैं। जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां किसी भी आपात स्थिति में 07642-251079 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि आरबीसी 6-4 के प्रकरणों के त्वरित निराकरण के भी निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में एंटी वेनम सहित आवश्यक जीवनरक्षक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि सर्पदंश की घटनाओं में लोग झाड़-फूंक पर भरोसा न करें, बल्कि मैदानी अमला तत्काल सक्रिय होकर पीड़ित को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाना सुनिश्चित करे। बैठक में मंत्री ने नगर क्षेत्रों में जलभराव की समस्या रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस पर एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम ने बताया कि रेडक्रॉस क्षेत्र एवं बड़चौराहा सहित संवेदनशील स्थानों पर जल निकासी की व्यवस्था कर दी गई है तथा सुभाष वार्ड में भी ड्रेनेज व्यवस्था सुचारु रखी जाएगी। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि पूरा प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे तथा ग्राम स्तर तक प्रतिदिन सक्रिय मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। इस पर वीसी के माध्यम से जुड़े एसडीएम नैनपुर श्री आशुतोष सिंह ठाकुर ने जानकारी दी कि संभावित प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत शिविरों के लिए स्थान का चयन कर लिया गया है। जलभराव की स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था रहेगी। साथ ही होमगार्ड के दो प्रशिक्षित तैराक एवं मोटर बोट भी आपदा राहत कार्यों के लिए उपलब्ध हैं।

विधिक जागरूकता शिविर में बंदियों को बताए गए अधिकार

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बंदियों की सुनीं समस्याएं, दिए आवश्यक निर्देश

मंडला। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कमल जोशी ने शनिवार को जिला जेल मंडला का निरीक्षण किया। इस दौरान बंदियों के हित में एक विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जोशी ने पुरुष एवं महिला बैरकों, रसोईघर, शौचालयों व बंदियों के लिए उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं और साफ-सफाई का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने जेल प्रशासन से जेल मैनुअल के अनुरूप संचालित व्यवस्थाओं की जानकारी ली और बंदियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा आवश्यक विधिक सलाह प्रदान की। आयोजित विधिक जागरूकता कार्यक्रम में बंदियों को उनके संवैधानिक अधिकारों, नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं और विभिन्न विधिक अधिकारों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। उन्होंने कहां कि जिन बंदियों के पास न्यायालय में पक्ष रखने के लिए अधिवक्ता उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें तत्काल शासन की ओर से नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए गए।